पापांकुशा एकादशी व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय में विंध्य पर्वत पर क्रोधन नामक एक क्रूर शिकारी रहता था। क्रोधन ने अपना पूरा जीवन हिंसा, शराब आदि गलत कामों में बिता दिया। जब उसके जीवन का अंत समय आया तो यमराज ने क्रोधन को लाने के लिए दूत भेजे। यम के दूतों ने क्रोधन को बताया कि कल उसके जीवन का अंतिम दिन होगा।

मृत्यु के भय से क्रोधन महर्षि अंगिरा की शरण में गया। क्रोधन की हालत देखकर महर्षि को उस पर दया आ गई और उन्होंने उसे पापांकुशा एकादशी का व्रत करने को कहा। इस व्रत को करने से क्रोधन के सभी पाप नष्ट हो गए और भगवान की कृपा से उसे मोक्ष की प्राप्ति हुई।

pdfinbox.com